

---

.. brahmA rachita kRiShNastotra ..

॥ श्रीकृष्णस्तोत्र ब्रह्मारचित ॥

Document Information

---

Text title : brahmA rachita kRiShNastotra  
File name : brahmakrishnastotra.itx  
Location : doc\_vishhnu  
Author : Brahmadeva  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : WebD  
Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com  
Latest update : January 16, 2005  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ श्रीकृष्णस्तोत्र ब्रह्मारचित ॥

श्री गणेशाय नमः ।  
ब्रह्मोवाच ।  
रक्ष रक्ष हरे मां च निमग्नं कामसागरे ।  
दुष्कीर्तिजलपूर्णं च दुष्पारे बहुसङ्कटे ॥ १ ॥  
भक्तिविस्मृतिबीजे च विपत्सोपानदुस्तरे ।  
अतीव निर्मलज्ञानचक्षुःप्रच्छन्नकारणे ॥ २ ॥  
जन्मोर्मिसङ्गसहिते योषिन्नक्रौधसङ्कुले ।  
रतिस्त्रोतःसमायुक्ते गम्भीरे घोर एव च ॥ ३ ॥  
प्रथमामृतरूपे च परिणामविषालये ।  
यमालयप्रवेशाय मुक्तिद्वारातिविस्मृतौ ॥ ४ ॥  
बुद्ध्या तरण्या विज्ञानैरुद्धरास्मानतः स्वयम् ।  
स्वयं च त्व कर्णधारः प्रसीद मधुसूदन ॥ ५ ॥  
मद्विधाः कतिचिन्नाथ नियोज्या भवकर्मणि ।  
सन्ति विश्वेश विधयो हे विश्वेश्वर माधव ॥ ६ ॥  
न कर्मक्षेत्रमेवेदं ब्रह्मलोकोऽयमीप्सितः ।  
तथापि न स्पृहा कामे त्वद्भक्तिव्यवधायके ॥ ७ ॥  
हे नाथ करुणासिन्धो दीनबन्धो कृपां कुरु ।  
त्वं महेश महाज्ञाता दुःस्वप्नं मां न दर्शय ॥ ८ ॥  
इत्युक्त्वा जगतां धाता विरराम सनातनः ।  
ध्यायं ध्यायं मत्पदाब्जं शश्वत्सस्मार मामिति ॥ ९ ॥  
ब्रह्मणा च कृतं स्तोत्रं भक्तियुक्तश्च यः पठेत् ।  
स चैवाकर्मविषये न निमग्नो भवेद्भुवम् ॥ १० ॥  
मम मायां विनिर्जित्य स ज्ञानं लभते ध्रुवम् ।  
इह लोके भक्तियुक्तो मद्भक्तप्रवरो भवेत् ॥ ११ ॥  
॥ इति श्रीब्रह्मदेवकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

॥ श्रीकृष्णस्तोत्र ब्रह्मारचित ॥

---

.. brahmA rachita kRiShNastotra ..  
was typeset on August 2, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

